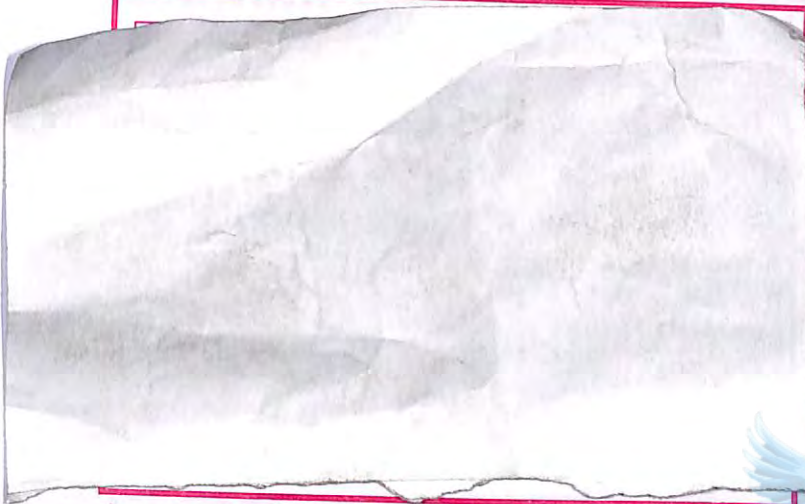


कुल पृष्ठ संख्या-32 (कवर पेज सहित)

क्रम संख्या 136888

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर
उच्च माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)



प्रश्नवार प्राप्तांको की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1		19	
2		20	
3		21	
4		22	
5		23	
6		24	
7		25	
8		26	
9		27	
10		28	
11		29	
12		30	
13		31	
14		योग	80
15		प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16		अंकों में	शब्दों में
17		80	अस्सी
18			

नोट :- परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम - हिन्दी ☒ अंग्रेजी ☐

विषय हिन्दी साहित्य

परीक्षा का दिन सोमवार

दिनांक 01-04-2024

नोट :- परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :- (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ : 15¼ को 16, 17½ को 18, 19¾ को 20)

परीक्षक के हस्ताक्षर संकेतांक

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तक के निर्माण में बोर्ड द्वारा प्रदत्त 58 जी.एस.एम. ईको मेपलिथो कागज ही उपयोग में लिया गया है। 179/2024



1

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
		<u>अध्यास - (अ)</u>
प्रश्न: 1		
उत्तर: 1	(i)	(अ) लक्ष्मी का - - - - - ?
	(ii)	(स) गीतम पुस्तक की सुझा
	(iii)	(ब) रघुवीर सहाम
	(iv)	(क) रामचरितमानस
	(v)	(स) जगधर की
	(vi)	(ब) नगांतलाई गाँव का
	(vii)	(स) मसीहा
	(viii)	(क) मायवा दर्शन
	(ix)	(स) नामक के लिए



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	(i)	(ख) उल्टा पिरामिड दीला
	(ii)	सामान्य जन समुदाय के लिए
	(iii)	श्रेष्ठ समाचारों के लिए
प्रश्न. 2		
उत्तर. 2	(i)	किसी भी प्रसाद गुण
	(ii)	किसी भी
	(iii)	क्या कण्डलियाँ छंद
	(iv)	हर
	(v)	दृष्टान्त अलंकार
	(vi)	मानवीकरण



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
प्रश्न : 4	3	- - - - - ?
उत्तर : 4	3	
	(i)	विश्व के किसी भी देश के पास ऐसी भूमि और संसाधन नहीं हैं, जो उसे सब प्रकार से संभाल बना सकें।
	(ii)	परिणामस्वरूप उसे दूसरे से ढवना पड़ता है और आनिवार्य रूप से अवांछित समझौते करने पड़ते हैं।
	(iii)	परमाणु परिक्षण करने के पश्चात् विश्व ने हम पर कई प्रकार के प्रतिबंध लगाये मरनु उसका क्या परिणाम निकला क्या और हमारे देश का काम रुका।
	(iv)	इराक़ पर प्रतिबंध लगने के बाद उसे दाने-दाने के लिए तरसना पड़ा।
6	(v)	देशवासियों को किसी भी कष्ट का सामना नहीं करना पड़ा।
	(vi)	विश्व में परमाणु परिक्षण।



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
प्रश्न : 4		
उत्तर : 4		
	(i)	मोरा ने राम रतन धन पायी ।
	(ii)	पट्टु अमोलक दी ।
	(iii)	मोरा ने सब कुछ श्री करण भगवान की भाक्ति में लीन होकर उसका प्रेम ही सबसे बड़ा धन था ।
	(iv)	मोरा की धन विशेषता यह है कि उसने जन्मों - जन्मों की पुँजी माई परन्तु खसारा में भी आई और खर्च नहीं करता परन्तु उसे कोई चीज भी नहीं लेता और दिन - प्रतिदिन बढ़ता जाता है ।
	(v)	जब श्रीराम कनवास जा रहे थे तब कैपट ने उससे पैर देकर अपना नाम में बिठाकर बहुत विवाह सागर की याकर करके किनारे पर छोड़ा ।
	(vi)	मोरा के प्रभु गिरधर नागर ।



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
प्रश्न-5		
उत्तर-5		उमाशंकर जीवा, माण्डित प्रसाद नारायण?
प्रश्न-6		
उत्तर-6	6	मोदिआइन शुरू हो उठती है और संवादों की डाटती है और कहती है तुम जब मेरी माँगी तो तब तो ऐसा नहीं कहते हो जब हम हमारे मेरी आपसे माँगी है तब आप ऐसा बोलते हैं तुम्हें ती माँगीर यानि की आइत हो रही है मुझे नहीं मला फल तक मुझे मेरे मेरे न्याय इतनी बात सुनकर संवादों चुप हो जाता है।
प्रश्न-7		
उत्तर-7		सरोज स्मृति की मूल विशेषता यह है कि सरोज की स्वप्न में ही माता के स्वप्न हो गई थी और इसका ध्यान - मालन इसके नानी, मामा, मामी ने किया था और सरोज के पिताजी ने ही सरोज विवाह किया इसने सरोज के विवाह में किसी की नहीं बुलाया और फिर थोड़े दिन बाद सरोज को मृत्यु हो गई थी इसलिए इसके पिता ने इसकी भाद में "सरोज स्मृति" की एक रचना लिखी।



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
प्रश्न : 8		
उत्तर :	8	<u>आश्चर्य</u> काँव कहता है कि एक नामक अपनी से दूर रहकर भी आँखों ही आँखों में बात करता है कानन कमल खड़ी के समान दूर रहकर आँखों से आपस में बात कर लेते हैं।
प्रश्न : 9	9	क्योंकि बेरी ने सुरदास के बारे में गलत सोचकर उसकी सारी मेहनत की कमाई बेरी ने ले ली परन्तु जगधर को ये पता चला तो उसे पालच आ गया वह भी उसमें आका लेना चाहता था था परन्तु क्या करे बेरी उसे दे नहीं रहा था इसलिए जगधर मन ही मन में गाली दे रहा था।
प्रश्न : 10	10	अमेरिका की त्पाऊ - उजाड़ जीवन पहाते ने दुनिया की हरालिए प्रभावित किया की पहात इस त्पाऊ - उजाड़ सम्मता ने देश की दुषित कर रखा है क्योंकि जगह-जगह फैलते उद्योग होने के कारण पानी दुषित हो रहा है परन्तु दूर से देखे तो ऐसा लगता है कि पानी ही पानी है परन्तु



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
		जब मास जाकर दिसते हैं तो वहाँ कुछ भी नहीं दिखाई देता इसलिए वर्तमान में दुनिया इससे प्रभावित हो रही है।
प्रश्न : 11	उत्तर : 11	प्रतीम अलंकार
		उपमेय की उपमान से अधिक श्रेष्ठ समझा लिया जाता है तो उसे प्रतीम अलंकार कहते हैं।
प्रश्न : 12	उत्तर : 12	उदा० ① श्या का मुख चन्द्रमा है श्या ↓ उपमान चन्द्रमा ↓ उपमेय
		कविता में विग्ण और छंद न्यायन लाता है और कविता में विग्ण और छंद इन्होंने की महसूस करने में सहायक होते हैं।
		कविता में विग्ण और छंद मजबूती प्रधान करते हैं।
प्रश्न : 13	उत्तर : 13	मुखड़ा
		इंद्री की मुखड़ा कहते हैं इसमें बात की विस्तार न लिखकर उसकी विविध बातों को लिखते हैं उसका विविध लौपिक लिखकर समाप्त कर देते हैं।



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
प्रश्न : 15 उत्तर :	15	भीष्म साहनी का जन्म 1949 में उत्तर प्रदेश के केवड़ा गाँव में हुआ था। इनका जीवन बहुत कष्ट से बीता था। <u>रचनाएँ</u> अमरपुर, नौक के बसरे, अफात आदि। <u>पुरुषकार</u> साहित्य अकादमी, हिन्दी पुरुषकार आदि।
प्रश्न : 16 उत्तर :	16	रघुवीर सहम का जन्म 1815 में पंजाब के बड़ौदा गाँव में हुआ था। इनकी रचनाएँ प्रेम से सम्बन्धित हैं। <u>रचनाएँ</u> अफात, आँधी, धूम, बारहमासा आदि। <u>पुरुषकार</u> साहित्य अकादमी, सौमित्र लीड नेहरू पुरुषकार।



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक प्रश्न संख्या परीक्षार्थी उत्तर

प्रश्न. 17
उत्तर. 14

देवसेना का गीत कावेरी जयशंकर प्रसाद ने
लिखा था इसमें देवसेना चन्द्रगुप्त चन्द्रगुप्त
से प्रेम करता था तब एक दिन देवसेना
चन्द्रगुप्त की अमने प्रेम की बात बताई
की मैं आप से प्रेम करता हूँ आप
विवाह करोगे मेरे से परन्तु चन्द्रगुप्त ने
और वो दूसरी से प्रेम करता था इसलिए
चन्द्रगुप्त ने देवसेना के प्रेम की झुफरा
दिमा इसलिए देवसेना वहीं चली गई तब
चन्द्रगुप्त जब पिज्जा से प्रेम का
हाथ माँगे तो पिज्जा ने चन्द्रगुप्त
की झुफरा दिमा इसलिए जब चन्द्रगुप्त वहीं
से निरास होकर देवसेना के पास जाता
है और कहता है मेरी गलती का
अहसास मुझे था गया इसलिए मैं आप
से विवाह करना चाहता हूँ परन्तु अब देवसेना
मना कर देती है फिर चन्द्रगुप्त कहता अब
क्यों फिर देवसेना कहती है कि मैं
आजीवन आपका रहूँगी का प्रण कर
लिमा है इसलिए डोक है अब जाओ
मैं से फिर चन्द्रगुप्त वहीं से चुपचाप
चला जाता है।

प्रश्न. 18
उत्तर. 18

साक्षात् कहानी एक मनुष्य के हाथों पर
लिखा गई है तब किसान अपनी गेता



परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

मे. गन्ने का खेत का तो तब उसमें
एक हाथी आता है और कहता है मे
झरुआ आज अपने दोनो हाथों को
खेत करते है। मे. तेरी खेत को
रखवाली करूँगा किसी को जानवर को
इसमें आने नहीं दूँगा फिर किसान
बोखता है हाँक है। तब हाथी जंगल
में जाता है और कहता है कि गन्ने
का खेत का मालिक मे. हैं अगर उसमें
कई हाथी तो देख लेना मुझसे बुरा
कई नहीं होगा तब गन्ने का खेत
तेमार होता है। तब हाथी किसान के
पास जाकर कहता है कि चलो -
चलो खेत तेमार हो गई आदा आदा
करे किसान और हाथी पछों पछा देते
है तब हाथी कहता है गन्ने का
एक धार दू ले एक धार
मे. लेता है तब धार धार किसान
हाथी की तरफ मीचता चला जा रहा
था इसलिए आज के भुग मे. लीग
गटोवी का शोषण करते है।

प्रश्न :

उत्तर :

19

19

सुरक्षित इसलिए भुक्त रखना चाहता था
क्योंकि अगर वह अपने धन के बारे
मे. दूसरी से पूछता करता तो
लीग हँसते उसका मजाक बनाते

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

आदो लोग उसी नक़्सा दिखाना चाहते हैं इसलिए वह
अमन मन में उस धन की मोहरी को
रुझकर विलक्षण - विलक्षण कर रहे रहा था
इसलिए वह किसी की कुछ नहीं बताना
चाहता था वह इसकी जीवन भर की
कमाई भी इसलिए वह सीपा की
कोई बात नहीं हम फिर से एक - एक
रु. ~~इकट्ठा~~ करेगी फिर वह अमन मन में
जो वील रक्का था उसकी मुरा करेगी इसलिए
वह अपना जीवन भर की कमाई का
भूल भी नहीं पा रहा था परन्तु क्या
करे इसलिए इसे भुलना होगा और कोई
नभा उद्देश्य छुड़ना होगा ।

प्रश्न.

२०

उत्तर.

२०

① प्रसंग

प्रस्तुत गद्यांश हमारी माध्यमिक शिक्षा साहित्य
अन्तरा भाग II द्वारा लिखा गया है इसके
लेखक का नाम हजारी प्रसाद द्विवेदी है ।

② आख्या

लेखक कहता है कि जीवन एक शक्ति
है । जिने को भी एक कला है ।
और कला करना ही नहीं बल्कि तपस्या है ।
अगर जीना चाहते तो झुलकर जीने ।
अमन जीवन में मन प्राण आदि डाल दे ।
और जीवन में जीना भी एक बहुत बड़ा



परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

वड़ी बात है। और धारा संसार अपने-
अपने मतलब के लिए हो रहे हैं।
और सब पुरुष की अपनी पत्नी को
समझने का भाव होना चाहिए कि तो
स्वार्थ हेतु पुत्र माँते हैं उनकी पुत्री
अच्छा नहीं लगती है। परन्तु पत्नी
हो पिछा नहीं होती। परन्तु पत्नी
के लिए होती है।

③ विशेष ① इसकी भाषा सरल है।

② इसमें अनुप्रास अवधारण का प्रयोग किया है।

प्रश्न.

श.

उत्तर.

श.

① प्रसंग

BSER-179/2024

प्रस्तुत पद्यां हमारी मातृपुस्तक
हिन्दी साहित्य अन्तरा भाग II द्वारा
संकलित है। केशरनाथ सिंह काव्य है।

② व्याख्या

काव्य कहता है कि यह दोष
अकेला है जो स्नेह से भरा
हुआ है। यह माँ है। और
यह दोष अपने में ललकार सबकी
शोषणा प्रश्न करता है। यह काव्य
की वह तरह है। कामधेनु का,
गोबर, गोमूत्र, दूध, दही, घास आदि अच्छी
चीजें लोग इसकी पूजते हैं। यह अंगूर
की तरह जो पीजते हैं। पर जोर
लगाकर मड़ता है। यह धूरि भी धूप
में तपता है। निर होकर शीशनी

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

प्रधान करता है यह प्रकृति, स्वयं भूमि, वृद्धा, आदि की शक्ति देता है। यह हीम अफला परन्तु स्नेह से भरा हुआ है यह गर्व से शोषणा प्रधान करता है।

③ विशेष

- ① इसकी भाषा सरल है।
- ② इसमें अनुपात अलंकार का प्रयोग किया गया है।
- ③ इसमें छंद का प्रयोग किया गया है।

प्रश्न
उत्तर

BSER-1792024

14
14

विशेष लेखन में उस पत्रकारिता की जानकारी लेनी चाहिए जिसके जारि में की विशेष सूचना एक दूसरे के पास पहुँचा सके विशेष लेखन पत्रकारिता के क्षेत्र से जुड़ी हुई है।



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
प्रश्न - 24		
उत्तर -	24	<u>हमारा स्वास्थ्य और भोजन</u>
		<u>प्रस्तावना</u>
		हमारा स्वास्थ्य व भोजन दुष्प्रभाव
		सामाजिक प्रभाव
		आर्थिक प्रभाव
		उपाय
		उपसंहार
		<u>प्रस्तावना</u>
		आज के युग में हमारे स्वास्थ्य
		पर पुरा अखर मड़ रहा है और भोजन
		पर भी पर्याप्त भोजन में लोग
		इतनी रुकावट का प्रयोग करते
		हैं। लोग बहुत बीमार हो रहे
		हैं। मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु होता
		है इसलिए जितना हो सके
		हम सब चीजों से दूर रहे
		आमने स्वास्थ्य का ध्यान रखे और
		हम सब चीजों से दूर रहेंगे
		भी।

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

क

हमारा स्वास्थ्य व जीवन के दुष्प्रभाव

हमारे स्वास्थ्य पर दुष्प्रभावों का जोन माने से अनेक बीमारी हो रही है एक हम इधर-उधर गन्दगी फैलकर रहते हैं जिससे अनेक प्रकार मच्छर पैदा होते हैं जिससे अनेक बीमारी फैल रही है इनकी काटने पर हम बीमार हो जाते हैं इसलिए हमें आस-पास के वातावरण को साफ रखे और ही नहीं जितना स्वास्थ्य पर ध्यान दे इसलिए हमें नोट - पकड़ें भी नहीं माने चाहिए हम ऐसा गन्दगी से बचकर रहने चाहिए।

ख

सामाजिक प्रभाव

ऐसी महमारी का सामना पूरे विश्व की करना पड़ रहा है इसलिए हमें स्वस्थों की सलाहों के लिए मुद्दा उठाये और सरकार के विरुद्ध आन्दोलन करें हमें समाज के कल्याण के लिए कुछ न कुछ कदम उठाने चाहिए इसमें कोई बुराई नहीं एक दूसरे की सहायता करना है।



परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

4

आर्थिक प्रभाव

हमारे स्वास्थ्य व जीवन में बहुत तेजी से आर्थिक प्रभाव पड़ रहा है। हमारे काम, फैक्ट्रियाँ आदि, उपयोग से देश की बहुत नुकसान हो रहा है। हमें तेजी से इसका सामना करके इस स्थिति से बचने के लिए निफ्त जायगी। इससे हमें बचने के लिए सामग्री का विकास करना पड़ेगा। परन्तु अच्छी वस्तुओं का विकास करने के लिए सामग्री

5

उपाय

- 1) हमें आरक्षित पक्ष के वातावरण की साफ - सुथरा रचना चाहिए।
- 2) हमें अपने स्वास्थ्य की रक्षा करना चाहिए।
- 3) हमें चाट - मफूड़ से दूर रहे।
- 4) हमें दवाइयों की योजना से दूर रहे।
- 5) हमें अमूल्य सब्जियों, मिठाइयों आदि को हटा देना, ताबड़बाद जैसी बीमारियाँ से दूर रहना चाहिए।

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

⑧

उपसंहार

इस बीमारी ने पूरे विश्व को घेर रखा
प्रतिदिन आठ से दस लोग मारे जाते हैं
इसलिए जितना हो सके हमें उससे
उतना ही दूर रहना चाहिए इसलिए
हमें इस दवाइयों को जो जो से दूर
रहना चाहिए और इस बीमारी से
बचना चाहिए और अपने स्वास्थ्य का
ध्यान रखना चाहिए। इसलिए हमें इस
पूरी तरह से सतर्क रहना चाहिए।

कार्य समाप्त